तापमान

अधिकतम 30.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

02 ढोल-नगाड़ों की गूंज, जयकारों का शोर और...



04 25 फीट ऊंचे रावण के पुतले का होगा दहन



राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर

खबर संक्षेप

बाड़ी में विशालकाय कुम्हड़ा 30 किलो वजन का अनुमान



राजिम। नगर के किसान प्रकाश वर्मा की घर से लगी बाड़ी में इन दिनों एक विशालकाय कुम्हड़ा लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आकार में असाधारण रूप से बड़े इस कुम्हड़े का वजन करीब 30 किलो होने का अनुमान लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि किसान प्रकाश वर्मा मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। उनकी आजीविका का प्रमुख आधार खेती-किसानी ही है। हालांकि, घर की जरूरतों के लिए वे बाड़ी में थोड़ी-बहुत साग-सब्जियां भी उगा लेते हैं। करीब 30 किलो वजन का अनुमानित यह कुम्हड़ा प्रकृति की अनोखी देन और खेती में मिलने वाले अप्रत्याशित परिणामों की मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

आबादी भूमि पट्टा वितरण में कोई भी पात्र हितग्राही न छूटे

छुरा। नगर पंचायत क्षेत्र में आबादी भूमि के पट्टा वितरण की प्रक्रिया के तहत हाल ही में राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं वार्ड पार्षदों द्वारा संयुक्त रूप से घर-घर जाकर आबादी भूमि का सर्वेक्षण किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद ने अपील की है कि सर्वेक्षण के दौरान यदि किसी कारणवश कोई परिवार छूट गया हो, तो वह नगर पंचायत कार्यालय में संपर्क कर अपना नाम दर्ज कराए, ताकि संबंधित तहसीलदार एवं एसडीएम से चर्चा कर नियमानुसार छूटे हुए पात्र परिवारों का नाम सर्वेक्षण में जुड़वाने की पहल की जा सके। अध्यक्ष श्रीमती निषाद ने कहा कि हमारा प्रयास है कि आबादी भूमि के पट्टा वितरण में कोई भी पात्र हितग्राही छूटने न पाए। प्रत्येक पात्र परिवार को नियमानुसार लाभ दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

देश को अस्थिर करने का कांग्रेस द्वारा असफल प्रयास किया जा रहा है: साहू

मैनपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम साहू ने चुनाव आयोग के



विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर बड़ा हमला बोला है। श्री साहू ने विज्ञप्ति में कहा कि देश को अस्थिर करने का असफल प्रयास कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा किया जा रहा है सरकार का विरोध करने के लिए विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए आवश्यक प्रक्रिया एसआईआर को मुद्दा बनाकर देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश हो रही है।

10 साल में 1.25 लाख पेड़ों पर संकट, तिल-तिल कर मर रहे पेड़ों का ट्री डॉक्टर करेंगे इलाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व के जंगलों को बचाने की लड़ाई अब केवल पेड़ों की कटाई रोकने तक सीमित नहीं रह गई है अब चुनौती उन पेड़ों को नया जीवन देने की भी है, जिन्हें खड़े–खड़े गंडलिंग कर सुखाने की साजिश रची गई है। उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व से मिली जानकारी के अनुसार बीते 10 वर्षों के भीतर 1.25 लाख से अधिक पेड़ों पर अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है। जंगल के करका क्षेत्र में अतिक्रमण का दायरा तेजी से बढ़ा है। एक दशक में अतिक्रमण का ⏭शेष पेज 2 पर

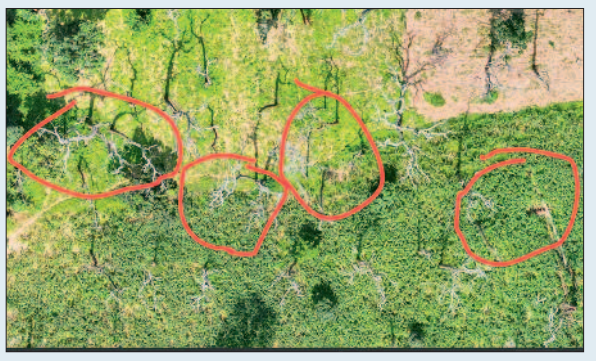
- उदंती–सीतानदी रिजर्व में अगले हफ्ते पहुंचेंगे चर्चित ट्री डॉक्टर

सीतानदी टाइगर रिजर्व में 3,500 से अधिक घायल पेड़ों का वैज्ञानिक पद्धति से होगा इलाज



22 हेक्टेयर से 102.47 हेक्टेयर तक पहुंचा अतिक्रमण

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के करका क्षेत्र में अतिक्रमण का दायरा वर्ष 2016 में 22 हेक्टेयर था, जो 2026 में बढ़कर 102.47 हेक्टेयर तक पहुंच गया। यानी एक दशक में अतिक्रमित क्षेत्रफल चार गुने से भी अधिक हो गया डीजीपीएस आधारित ड्रोन सर्वेक्षण और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो की पुरानी सैटेलाइट तस्वीरों के तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर वर्ष 2016 से 2026 के बीच प्रभावित क्षेत्र में 1.25 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई का अनुमान जताया गया है।



कौन हैं विजय निशांत, जिन्हें कहा जाता है ट्री डॉक्टर

पेड़ों के उपचार की इसी चुनौती के बीच कर्नाटक के पर्यावरणविद् विजय निशांत की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। वे प्रोजेक्ट वृक्ष फाउंडेशन के संस्थापक हैं। वृक्ष संरक्षण, डिजिटल ट्री मैपिंग, बड़े पैमाने पर पौधरोपण तथा पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में काम करते रहे हैं। विजय निशांत का पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा सफर वर्ष 2002



में शुरू हुआ। जब उन्होंने बेंगलुरु के वन प्रकोष्ठ के अधिकृत स्वयंसेवक के रूप में वन्यजीवों के बचाव और पुनर्वास से जुड़े कार्यों में योगदान दिया।

लापरवाही : नहर यदि क्षतिग्रस्त हुई तो आसपास के ग्रामों में निर्मित हो सकती है बाढ़ की स्थिति

महानदी मुख्य नहर के सर्विस बैंक पर दौड़ रहे रोज हाइवा, सुरक्षा पर मंडराया खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

महानदी मुख्य नहर की सुरक्षा को ताक पर रखकर एमपी के ठेकेदार द्वारा लापरवाहीपूर्वक लोडेड हाईवा वाहन लगातार दौड़ाए जा रहे हैं। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से नहर का सर्विस बैंक क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ गया है। हालात ऐसे हैं कि यदि नहर के कमजोर तट पर कटाव हुआ या नहर फूट गई, तो आसपास के गांवों में बाढ़ जैसी भयावह स्थिति निर्मित हो सकती है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की बार-बार समझाइश के बाद भी भारी वाहनों का संचालन बंद नहीं हो रहा है। बता दें कि नहर में भारी वाहनों को नहीं चलाया जा सकता, यह नियम विरूद्ध है।

- जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की समझाइश के बावजूद नहीं रूक रहे वाहन

नहर की सुरक्षा से खिलवाड़, हादसे का इंतजार क्यों?- जानकारी के अनुसार, गंगरेल जलाशय का पानी कोंडापार तक आएगा। यहां उनका इंटेकवेल बनेगा और पाइपलाइन के जरिये नया रायपुर को पानी पहुंचेगा। मालूम हो कि कोंडापार से थनौद तक महानदी मुख्य नहर के एलाइनमेंट के समानांतर पाइपलाइन बिछाने के निर्माण कार्य में संलग्न ठेकेदार द्वारा महानदी मुख्य नहर एमएनसी के सर्विस बैंक पर लोडेड हाईवा सहित भारी वाहनों का संचालन किया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान इस पर आपत्ति जताई और वाहनों को न केवल नहर में चलाने से मना किया, बल्कि पत्राचार भी किया गया है बावजूद ठेकेदार के आदमी और चालक लगातार लापरवाहीपूर्वक हाइवा को यहां चला रहे है। भारी वाहनों के मोटे टायरों से सर्विस बैंक पर गहरे निशान पड़ रहे हैं इससे मिट्टी के दबने और तट के धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होने की आशंका ने विभागीय अफसरो की चिंता बढ़ा दी है। खास बात यह है कि यह कोई सामान्य रास्ता नहीं है बल्कि सिंचाई व्यवस्था को सुरक्षित रखने वाला महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में यहां भारी वाहनों की आवाजाही नहर की सुरक्षा के लिए बड़ा जोखिम बन सकती है।



किसानों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

कोंडापार से थनौद तक के सैकड़ो किसानों ने मांग की है कि महानदी मुख्य नहर के सर्विस बैंक पर लोडेड हाईवा चलाने पर तत्काल रोक लगाई जाए। क्षतिग्रस्त हिस्सों का तकनीकी निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कराई जाए और नियमों की अनदेखी करने वाले संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही, निर्माण कार्य में लगे वाहनों के लिए उन्हें दूसरे मार्ग से चलने के लिए निर्देश दिया जाए।

गंगरेल से छोड़ा जा रहा पानी, खतरा और गंभीर- वर्तमान में गंगरेल जलाशय से छोड़ा गया पानी महानदी मुख्य नहर के माध्यम से खरीफ फसलों की सिंचाई के लिए किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। नहर में जलप्रवाह के बीच सर्विस बैंक को नुकसान पहुंचना किसी बड़ी ⏭शेष पेज 2 पर

अमलीपदर में कांग्रेस का प्रदर्शन चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका



हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

मैनपुर विकासखण्ड के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमलीपदर के तत्वावधान में आज सोमवार को वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्य बाजार से होते हुए उनके पुतले को घुमाया, और बस स्टैंड पर पुतला दहन किया। रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभालने में जुटी पुलिस और आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झूमाझटकी और धक्का–मुक्की हुई। कार्यकर्ता पुतला दहन करने पर अड़े हुए थे, जबकि पुलिस ने रोकने का भरपूर प्रयास किया भारी सुरक्षा घेरे और गतिरोध के बावजूद कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड पहुंचकर पुतला फूंक ही दिया। बिन्द्रानवागढ़ का विधायक जनक ध्रुव ने कहा वोट बचाओ देश बचाओ अभियान केवल कांग्रेस पार्टी का आन्दोलन नहीं बल्कि यह हर उस नागरिक की अवाज है जो लोकतंत्र और निपक्ष चुनाव व्यवस्था में विश्वास रखता है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुकचंद बेसरा ने कहा पुलिस की लाठी डण्डों से कांग्रेसी डरने वाले नहीं हैं। जब तक लोकतंत्र की रक्षा नहीं हो जाती और चुनाव व्यवस्था में पादर्शिता नहीं आती तब तक पूरे देश में यह उग्र आन्दोलन जारी रहेगा। जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष स्मृति ठाकुर ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल उठाए। नेताओं ने स्पष्ट मांग करते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

प्रदर्शन व पुतला दहन कार्यक्रम में विधायक जनक ध्रुव, जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा, जिला पंचायत के ⏭शेष पेज 2 पर

धान का समर्थन मूल्य 3100 से बढ़ाकर 3358 प्रति क्विंटल किया जाए: यशवंत

नवापारा-राजिम। छत्तीसगढ़ के किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू ने प्रदेश की भाजपा सरकार से धान खरीदी की



दर 3100 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 3358 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान छत्तीसगढ़ के किसानों से धान के लिए 3100 रुपये प्रति क्विंटल देने की घोषणा की थी। यह किसानों से किया गया वादा है, जिसे पूरा करना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस राशि में केंद्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि को भी जोड़ा जाना चाहिए। श्री साहू ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में लगातार तीन बार वृद्धि किए जाने के आधार पर कुल 258 रुपये की बढ़ोतरी का उल्लेख किया जा रहा है। इस गणना के अनुसार, यदि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा घोषित 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर में 258 रुपये जोड़े जाएं, तो धान की खरीदी दर 3358 रुपये प्रति क्विंटल होनी चाहिए। कहा कि जब केंद्र की मोदी सरकार स्वयं किसानों के धान के समर्थन मूल्य में वृद्धि कर रही है, तो छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार को भी किसानों के हित में इस वृद्धि का लाभ देना चाहिए। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मांग की है कि छत्तीसगढ़ के समस्त किसानों के धान की खरीदी 3358 रुपये प्रति क्विंटल की दर से सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके और उनके हितों की रक्षा हो सके। श्री साहू ने कहा कि किसानों की मांग पूरी नहीं की गई, तो अधिकारों के लिए प्रदेशव्यापी व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

दशहरा पर्व पर 40 फीट रावण के पुतले का किया जाएगा दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

नगर सहित पूरे विकासखण्ड क्षेत्र में विजयादशमी पर्व को लेकर जोरशोर से तैयारी की जा रही है। प्राथमिक शाला मैदान के सामने सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा इस वर्ष भी दशहरा पर्व पर 40 फीट उंचे रावण के पूतले का दहन किया जाएगा। जिसके लिए रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है और आकर्षक आतिशबाजी किया जायेगा। शाम 6 बजे रामलीला का मंचन के बाद रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी किया जा रहा है। जंगलधवलपुर, नवमुड़ा, गिरहोला, भाठीगढ़, बोईरगांव एवं तौरेंगा में रावण पूतलो का रंगरोगन किया गया है गांव -गांव में रामलीला का मंचन प्रारंभ हो गया है तो वही आज दशहरा पर्व पर क्षेत्र के कई लोग नवाखई भी मनायेंगे। 20 अक्टूबर को



मैनपुर नगर सहित पूरे अंचल में उत्सव का माहौल रहेगा, जहां बुराई के प्रतीक रावण के पुतले के दहन के साथ-साथ पारंपरिक रामलीला के मंचन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मचेगी।

रावत जाति को केंद्रीय सूची और ठेठवार जाति के उच्चारण में सुधार की मांग तेज

छुरा। रावत जाति को केंद्रीय सूची में शामिल करने तथा ठेठवार जाति के नाम के उच्चारण में सुधार की मांग को लेकर सर्व यादव समाज छत्तीसगढ़ प्रदेश ने पहल तेज कर दी है। समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु के नेतृत्व में इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन, भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक तथा मंत्रालय के अधिकारियों से लगातार संपर्क और संवाद किया जा रहा है। इसके बावजूद मांगों से संबंधित प्रक्रिया में हो रही देरी को देखते हुए समाज ने अब जनप्रतिनिधियों के माध्यम से केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का निर्णय लिया है। प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु ने समाज के पदाधिकारियों के साथ चर्चा के बाद निर्णय लिया है कि सप्ताह के भीतर छत्तीसगढ़ के सभी 11 सांसदों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके लिए विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में पदाधिकारियों को प्रभारी नियुक्त किया गया है। संबंधित जिला अध्यक्षों के माध्यम से सांसदों को ज्ञापन सौंपकर रावत जाति को केंद्रीय सूची में शामिल करने और ठेठवार जाति के उच्चारण में सुधार की मांग उठाई जाएगी। समाज द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में ज्ञापन सौंपने की जिम्मेदारी पदाधिकारियों को दी गई है।



सांसद चिंतामणि महाराज को ज्ञापन सौंपने के लिए सरगुजा संभाग के सर्व यादव समाज के संभागीय अध्यक्ष देवनारायण यादव को प्रभारी बनाया गया है। रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र में सांसद राधेश्याम राठिया को ज्ञापन सौंपने के लिए महेश्वर यादव को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मुरमुरा से झरझरा और घटारानी से जतमई सड़क निर्माण का जल्द होगा प्रयास: रोहित

छुईहा-बेलर क्षेत्र में विकास कार्यों को दी गई गति: विधायक साहू

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा-बेलर

राजिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत फुलझर विकासखंड छुरा में नवरात्र के पावन अवसर पर नौ कन्या पूजन, संध्या वंदन एवं महाआरती कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में क्षेत्र के चहुंमुखी विकास और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया।

सड़क और स्कूल निर्माण को लेकर बड़ी घोषणाएंकार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा कि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और आवागमन की सुगमता को ध्यान में रखते हुए मुरमुरा से झरझरा तथा घटारानी से जतमई पहाड़ी तक सड़क निर्माण की मांग बेहद महत्वपूर्ण है। इन मार्गों के निर्माण से न केवल स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आवागमन में भारी सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के



प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास को भी नई गति मिलेगी। इसके अलावा, ग्रामीणों की मांग पर स्कूल भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, शीतला मंदिर के लिए सामुदायिक भवन, सीसी रोड और गौरव मंच के निर्माण की भी घोषणा की गई। साथ ही, नीतू यश कुमार पंडवानी को जनसंपर्क मद से 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की बात कही गई। हर गांव तक पहुंचना और जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकताविधायक श्री साहू ने अपने जनसंपर्क अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि विधानसभा क्षेत्र के 256 गांवों में से 50 से अधिक ऐसे गांव थे जहां पहले कभी कोई जनप्रतिनिधि नहीं पहुंचा था। इन दूरस्थ गांवों के नागरिकों को भी अपने चुने हुए विधायक के समक्ष अपनी समस्याएं रखने का पूरा अधिकार है। इसी उद्देश्य के साथ वे लगातार गांव-गांव जाकर सीधे संवाद स्थापित कर रहे हैं। जिला पंचायत सभापति शिवांगी चतुर्वेदी ने भी विधायक की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे समस्याओं के समाधान तक बिना विश्राम किए लगातार प्रयास करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप आज क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएंकेंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए विधायक ने कहा कि गरीब कल्याण और बुनियादी विकास आज सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान, निःशुल्क राशन वितरण, महिलाओं के लिए 'महतारी वंदन योजना' के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता, किसान सम्मान निधि, और तेंदूपत्ता संग्राहकों के हितों में किए जा ⏭शेष पेज 2 पर



खबर संक्षेप



पहाड़ी गुफा स्थित माता डूमेश्वरी मंदिर में हुआ हवन और कन्या भोज

मुड़ागांव (कोरासी)। गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत द्वारतरा के आश्रित ग्राम बम्हनी से कुछ दूरी पर स्थित पहाड़ी की गुफा में विराजमान माता डूमेश्वरी मंदिर में शारदीय नवरात्र के अवसर पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव का माहौल रहा। यहां प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्र एवं चैत्र नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा आस्था के ज्योति कलश स्थापित किए जाते हैं। शारदीय नवरात्र के महाअष्टमी पर्व पर मंदिर में आचार्य महंत बालाजी महेश्वरी नंद गिरि जी महाराज के सानिध्य में विधि-विधान के साथ हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर नौ कन्या भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें कन्याओं को भोज कराकर पूजा-अर्चना की गई। नवरात्र के नौ दिनों तक क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु माता डूमेश्वरी के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। भक्तों ने माता के दरबार में पूजा-अर्चना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पहाड़ी की गुफा में स्थित माता डूमेश्वरी मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए आस्था एवं भक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।



दुर्गा अष्टमी पर नयापारा में हुआ कन्या पूजन



मुड़ागांव (कोरासी)। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर ग्राम मड़ेली के नयापारा स्थित दुर्गा उत्सव समिति द्वारा दुर्गा अष्टमी के अवसर पर नौ कन्या भोज का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस दौरान नौ कन्याओं को माता दुर्गा के नौ स्वरूपों का प्रतीक मानते हुए विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात कन्याओं को भोजन कराया गया तथा दक्षिणा और उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया गया।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शारदीय नवरात्र में कन्या पूजन एवं भोज का विशेष महत्व है। भक्तों द्वारा कन्याओं में माता दुर्गा के स्वरूप का दर्शन कर उनकी पूजा की जाती है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।
इस अवसर पर माता रानी से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की गई। आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के साथ मैनपुर में हुआ मां दुर्गा का पूजन



मैनपुर। मां दुर्गा मंदिर वन परिसर मैनपुर में विधिवत पूजा–अर्चना एवं हवन का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पंडित योगेश शर्मा के द्वारा पूर्ण विधि–विधान एवं वैदिक मंत्रेच्चार के साथ मां दुर्गा का पूजन–अर्चना किया गया। पूजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन आयोजन में शामिल हुए तथा हवन में आहुतियां अर्पित कर मां दुर्गा से सुख, समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। वैदिक मंत्रेच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से संपूर्ण मंदिर परिसर में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ पूजा–अर्चना में भाग लिया और मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं आस्था देखने को मिली।

पर्व : ज्योत जवारा विसर्जन के दौरान उमड़ा आस्था का सैलाब

ढोल-नगाड़ों की गूंज, जयकारों का शोर और नम आंखें मां दुर्गा को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

नवापारा शहर में सोमवार को मां दुर्गा की विदाई का दृश्य आस्था, उत्साह और भावनाओं के अनूठे संगम का साक्षी बना। सुबह से ही शहर के चौक-चौराहों और मोहल्लों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं तथा ज्योत जवारा विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, झांझ-मंजीरों की खनक और देवी गीतों के बीच श्रद्धालु माता रानी को विदाई देने सड़कों पर उमड़ पड़े। हर तरफ जय माता दी के जयकारे गूंजते रहे। गंज रोड से होकर जब मां दुर्गा की सवारी शीतला तालाब की ओर बढ़ी तो पूरा मार्ग भक्तिमय हो उठा। जुलूस में शामिल श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते रहे। मां के भजनों और जयकारों से वातावरण





गूंजता रहा। कई श्रद्धालु गाल में बाना धारण कर अपनी आस्था और मन्नत का प्रदर्शन करते दिखाई दिए। वहीं कुछ महिला और पुरुष भक्त सड़क पर लेटकर अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते नजर आए। उनके ऊपर से ज्योत जवारा लेकर गुजरते श्रद्धालुओं का दृश्य लोगों के लिए आस्था और समर्पण का भावुक क्षण बन गया। मां दुर्गा की विदाई केवल प्रतिमा विसर्जन का अनुष्ठान नहीं, बल्कि नौ दिनों की आराधना, विश्वास और भावनाओं को विदा करने का अवसर भी रहा। जिन घरों और पंडालों में नौ दिनों तक पूजा-अर्चना हुई, वहां के भक्तों के लिए यह क्षण भावुक करने वाला था। विसर्जन के दौरान श्रद्धालु मां से अपने परिवार पर कृपा बनाए रखने और नगर में सुख-शांति तथा समृद्धि देने की प्रार्थना करते रहे। सोमवार को नवापारा की सड़कें देर तक देवी भक्ति के रंग में रंगी रहीं। ढोल-नगाड़ों की गूंज और जयकारों के बीच मां दुर्गा को विदाई देते श्रद्धालुओं ने एक बार फिर साबित किया कि नवापारा की धार्मिक परंपराओं में आस्था की जड़ें कितनी गहरी हैं।

रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट से सजा मां दुर्गा का पंडाल







नवापारा-राजिम। ग्राम छांटा में श्री युवा शक्ति संगठन भाटापारा, नव जागृति मित्र मंडल एवं श्री नव विकास दुर्गा उत्सव समिति छांटा में मां दुर्गा विराजित थी। भव्य पंडालो को आकर्षक सजावट और रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया था। इस दौरान सुबह-शाम मां दुर्गा की पूजा अर्चना, आरती और भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।



जेंजरा में जनप्रतिनिधियों ने की पूजा-अर्चना, सुख-शांति की कामना

कोपरा। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत जेंजरा के सरपंच, उपसरपंच, पंचगण एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने माता रानी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने समस्त ग्रामवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। माता रानी के दरबार में जनप्रतिनिधियों ने प्रार्थना की कि ग्राम जेंजरा में सदैव सुख-शांति बनी रहे और प्रत्येक परिवार के जीवन में खुशहाली आए। साथ ही गांव में आपसी भाईचारा, प्रेम, सद्भाव और एकता कायम रहे, जिससे ग्राम विकास और सामाजिक समरसता को मजबूती मिल सके।

शीतला माता मंदिर से निकली 505 ज्योत-जवारा की विसर्जन यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

शारदीय नवरात्र पर्व के नवमी तिथि के अवसर पर गरियाबंद जिला मुख्यालय में श्रद्धा और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। शीतला माता मंदिर से 505 ज्योत-जवारा की विसर्जन यात्रा निकाली गई। जवारा विसर्जन में नगर के प्रमुख देवी देवताओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सिर पर जवारा लेकर चलती महिलाओं की लंबी कतार, मांदर-मंजीरे की थाप और माता के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। यात्रा में महिलाएं सिर पर जवारा लेकर श्रद्धा के साथ आगे बढ़ीं। महिलाओं की कतार आधा किलोमीटर से भी अधिक लंबी दिखाई दी। पारंपरिक





वाद्ययंत्रों की धुन पर श्रद्धालु झूमते रहे, वहीं मार्ग में लोगों की भीड़ इस धार्मिक आयोजन को देखने के लिए जुटी रही। इसके बाद सभी ज्योत-जवारा का देवरनीन डबरी में विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। शीतला माता मंदिर से जुड़ी ज्योत-जवारा विसर्जन की यह परंपरा गरियाबंद की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का अहम हिस्सा है। सौ वर्षों से अधिक समय से चली आ रही इस परंपरा का आज भी श्रद्धा और विश्वास के साथ निर्वहन किया जा रहा है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती यह परंपरा स्थानीय लोगों की आस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए हुए है। गरियाबंद में नवरात्र केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। शीतला माता मंदिर से निकली ज्योत-जवारा की विसर्जन यात्रा ने इसी परंपरा को साकार किया।

मां काली मंदिर में महाष्टमी हवन की महक से भक्तिमय हुआ शहर

नवापारा-राजिम। नवापारा शहर के सुप्रसिद्ध मां काली मंदिर में महाष्टमी का हवन पूरे श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। हवन के दौरान मंदिर परिसर से लेकर गंज रोड तक भक्तिमय वातावरण बना रहा। हवन कुंड में अर्पित की जा रही आहुतियों और सांकला की सुगंध से पूरा क्षेत्र महक उठा। मां काली के दर्शन, पूजन और हवन में आहुति अर्पित करने के लिए दोपहर बाद से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। देर शाम तक मंदिर में भक्तों की आवाजाही बनी रही। संध्या आरती में बड़ी संख्या में माताएं-बहनें शामिल हुईं और माता रानी के चरणों में शीश नवाकर परिवार तथा नगर की खुशहाली की कामना की। इस धार्मिक अनुष्ठान में मंदिर समिति के अध्यक्ष मेघनाथ साहू सहित समिति के समस्त पदाधिकारी, सदस्य और मनोकामना



ज्योति कलश प्रज्वलित कराने वाले देवी भक्त शामिल हुए। अध्यक्ष साहू ने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि मां काली की कृपा नगर के प्रत्येक घर-परिवार पर बनी रहे। हर परिवार में सुख-शांति और समृद्धि का वास हो, बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बने, बुजुर्ग स्वस्थ रहें और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलें। नगर में आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक एकता मजबूत हो तथा किसी भी परिवार को दुख और संकट का सामना न करना पड़े, यही माता रानी से उनकी प्रार्थना है। कहा कि मां काली मंदिर नवापारा की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। इन परंपराओं को बनाए रखना और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना हम सभी का दायित्व है। महाष्टमी के हवन और संध्या आरती के दौरान मां काली के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने माता रानी के चरणों में आस्था अर्पित करते हुए पूरे नगर की मंगलमय उन्नति और जनकल्याण की कामना की।

धार्मिक उल्लास और सामाजिक एकता के साथ मनाया दादरझोरी में शारदीय नवरात्रि पर्व

नवापारा -राजिम। ग्राम दादरझोरी में शारदीय नवरात्रि का पर्व पूरे नौ दिनों तक श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। गांव के तीन प्रमुख स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। गांधी चौक, दाऊ घनश्याम चौक साहबजादे चौक में माता रानी की स्थापना के साथ पूरा गांव देवीमय हो उठा। सुबह-शाम आरती, पूजा-पाठ और माता के जयकारों से गांव का वातावरण भक्तिमय बना रहा। महाष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित हवन में बड़ी संख्या में मातृशक्तियों और देवी भक्तों ने भाग लिया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर गांव के कल्याण की मंगल कामना की। इस दौरान सरपंच रमेश साहू,



उपसरपंच राजू साहू सहित पंचगण, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे। धार्मिक परंपरा के अनुरूप नौ कन्याओं को स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया। कन्या पूजन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने मातृशक्ति के प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त की।
बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में माता की आराधना को लेकर उत्साह रहा। तीनों स्थानों पर स्थापित प्रतिमाओं के आसपास श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। सामूहिक पूजा-अर्चना ने गांव में धार्मिक उल्लास के साथ सामाजिक एकता का संदेश भी दिया। गांव के तीनों स्थानों पर माता की प्रतिमा स्थापित कर पूरे ग्रामवासियों ने जिस श्रद्धा और एकजुटता के साथ पूजा-अर्चना की, वह हमारी सामाजिक एकता और धार्मिक विश्वास का प्रतीक है।

नौवें दिन मां दुर्गा की आराधना के साथ कन्याओं को कराया भोजन

कोपरा। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर ग्राम लोहरसी में भक्तिमय माहौल बना रहा। नवरात्रि के नौवें दिन गांव के बस स्टैंड चौक, भवानी चौक, महावीर चौक सहित विभिन्न दुर्गा पंडालों में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। इस दौरान मां दुर्गा के जयकारों से पंडालों का वातावरण भक्तिमय हो उठा।

नवरात्रि के अवसर पर दुर्गा समितियों एवं श्रद्धालुओं की ओर से भंडारे का आयोजन भी किया गया। इसमें ग्रामीणों के साथ-साथ आवागमन करने वाले राहगीरों को भी प्रसादी भोजन कराया गया। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की



कामना की। गांव के विभिन्न चौक-चौराहों पर सजे दुर्गा पंडालों में नवरात्रि पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कन्या भोज और भंडारे के माध्यम से श्रद्धालुओं ने सेवा, समर्पण और धार्मिक आस्था का संदेश दिया।

नवरात्रि के पावन अवसर पर लोहरसी में आस्था, सेवा और सामाजिक सहभागिता की सुंदर तस्वीर देखने को मिली।

इस दौरान घनश्याम पटेल, हलधर पटेल, नूतन तिवारी, गैदलाल पटेल, पुरषोत्तम पटेल, प्रमोद पटेल, मनोज पटेल, रेमन पटेल, गिरवर यादव, रिपुसुधन निर्मलकार, देवेंद्र साहू, हेमंत साहू, लिखन साहू, नेतराम पटेल, देवलाल साहू, आशुतोष तिवारी, लेखराम साहू, कोमल पटेल, हेमंत पटेल, उरेन्द्र साहू धर्मेंद्र पटेल, रोशन रात्रे, कमलेश कौशिक, राजा कंडरा, नेतराम साहू, लक्षण ढीढी, रोशन सेन, खुम्मन साहू, संतराम साहू, भोला साहू, मिथलेश सहित ग्रामीण व समिति के सदस्यगण मौजूद रहे।

मोंगरा में नम आंखों से मां दुर्गा को दी गई विदाई

छुरा। शारदीय नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर ग्राम मोंगरा में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का सोमवार, महानवमी के दिन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ विसर्जन किया गया। गांव के तीन प्रमुख स्थानों रामचंद्र नायक के प्रांगण, दुर्गा समिति सड़कपारा और पुरानी बस्ती में विराजित मां दुर्गा की विदाई शोभायात्रा जब निकली, तो समूचा गांव माता के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

शोभायात्रा के दौरान पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक-संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। स्थानीय कलाकारों और ग्रामीणों द्वारा बजाए जा रहे मांदर, मंजीरा और झांझर की गूंज पर पूरा वातावरण भक्ति के रंग में रंग गया।



विदाई जसगीतों की मार्मिक धुनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

शोभायात्रा के दौरान ग्रामीणों की गहरी आस्था देखने को मिली। भक्ति के चरम पर कई श्रद्धालुओं पर माता की सवारी (भाव) आई। श्रद्धालु पूरी तरह भक्ति रस में लीन होकर पारंपरिक अंदाज में झूमते व नृत्य करते हुए माता की प्रतिमा के साथ आगे बढ़ रहे थे, जिसे देखकर सड़क किनारे खड़े ग्रामीण हाथ जोड़कर नतमस्तक होते रहे।

इस विसर्जन यात्रा में बच्चे, बुजुर्ग, युवा और विशेष रूप से मातृशक्ति का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। गांव की गलियों में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने आरती उतारी और पुष्प वर्षा कर माता रानी की अगवानी व विदाई की। अंत में स्थानीय जलाशय में वैदिक मंत्रोच्चार और पूरे विधि-विधान के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने मां भगवती से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पेज 3 के शेष...

10 साल में...

दायरा चार गुने से भी अधिक बढ़कर 22 हेक्टेयर से सीधे 102.47 हेक्टेयर तक पहुँच गया है। सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र में 35 सौ से ज्यादा पेड़ों पर गर्डलिंग पेड़ की छाल या तने को नुकसान पहुंचाकर उन्हें सुखाने की प्रक्रिया के निशान पाए गए हैं। कर्नाटक के चर्चित पर्यावरणविद और ट्री डॉक्टर विजय निशांत अगले सप्ताह यहां पहुंचकर वैज्ञानिक उपचार की तकनीकी मदद और मार्गदर्शन देंगे। **पेड़ों को काटने के बजाय तनों को पहुंचाया गया नुकसान** – टाइगर रिजर्व के क्षेत्रीय निरीक्षणों में 35 सौ से अधिक पेड़ गर्डलिंग से प्रभावित पाए गए हैं। इनमें साल, बीजा और तेंदू जैसी प्रजातियां शामिल हैं गर्डलिंग में पेड़ के तने के चारों ओर छाल की एक पट्टी काटकर हटा दी जाती है। इससे पत्तियों में बनने वाले पोषक तत्वों का जड़ों तक पहुंचना बाधित हो सकता है। महानदी के उद्गम क्षेत्र को बचाने की चुनौती – उदंती–सीतानदी का जंगल बाघ, हाथी, भारतीय विशाल गिलहरी और मालाबार पाइड हॉर्नबिल सहित अनेक वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास है। महानदी के उद्गम क्षेत्र से जुड़े इस वन परिदृश्य का संरक्षण जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिहाज से भी अहम है।

महानदी मुख्य नहर...

दुर्घटना का कारण बन सकता है। यदि कमजोर तट पर कटाव हुआ या पानी का बहाव आबादी और खेतों की ओर मुड़ा, तो किसानों की खड़ी फसल, कृषि भूमि, संपत्ति और जनजीवन को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। ऐसी परिस्थिति में सवाल उठता है कि जब विभागीय अधिकारी खतरे को भांपकर भारी वाहनों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, तो निर्माण कार्य में लगे जिम्मेदार लोग नियमों और चेतावनियों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अमला जागेगा? ठेकेदार का कैंप नहर किनारे, फिर भी लापरवाही क्यों?- बताया गया है कि संबंधित ठेकेदार का कैंप ग्राम कोंड़ापार में महानदी मुख्य नहर के ठीक बगल में स्थित है। इसके बावजूद नहर के सर्विस बैंक पर भारी वाहनों का संचालन होना सवाल खड़े करता है। खरीफ सिंचाई के दौरान विभागीय अमले को नहर की नियमित गश्त और निगरानी में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सिंचाई विभाग के अधिकारी असुरक्षित गश्त करने के लिए विवश हो गए है।

अमलीपदर में कांग्रेस...

पूर्व अध्यक्ष स्मृति ठाकुर , ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती ललिता यादव, सेवन पुजारी, पंकज मांझी महामंत्री, अनुराग वाघे, अल्तमश खान, भूमिलता यादव, यीशु राम चक्रधारी, जयप्रकाश जगत गबरूमाल यादव, गोरखनाथ यादव, कालिंदी चक्रधारी, कृष्ण कुमार चक्रधारी, नरेंद्र ताम्रकार, चिंताराम नागेश, उत्तम श्रीवास, उमेश डोंगरे, गजेंद्र सिंह हेमंत सोमवंशी राजेंद्र कश्यप उमाशंकर मरकाम गौतम कश्यप दामोधर सोरी, सुग्रीव साहू, टेकराम यादव किशोर चक्रधारी, तुलेश्वर नायक, यशवंत सोरी, भूपेन नागेश रोहित सोरी मोहन साहू, यदुलाल साहू हीरालाल भाटी मायाराम यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छुईहा-बेलर क्षेत्र...

रहे कार्य समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। 143 करोड़ की सड़क पर जनता की निगरानी जरूरीलगभग 143 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत राजिम-छुईहा-छुरा मार्ग के निर्माण कार्य का जिक्र करते हुए विधायक ने ग्रामीणों से अपील की कि वे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर पैनी नजर रखें। उन्होंने कहा कि सड़क का उपयोग क्षेत्र की जनता को करना है, इसलिए गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में ग्राम विकास समिति फुलझर के पदाधिकारी, सरपंच, उपसरपंच, पंचगण और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। समस्या के समाधान तक विधायक नहीं करते विश्राम: शिवांगी-जिला पं. समापति शिवांगी चतुर्वेदी ने विधायक की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि जब भी क्षेत्र के दौरे पर जाते हैं, तो जनता की समस्याओं को स्वयं संज्ञान में लेते हैं। समस्याओं के समाधान के लिए वे पूरी मेहनत और तत्परता के साथ जुट जाते हैं तथा उनके निराकरण तक लगातार प्रयास करते रहते हैं। आज क्षेत्र में लगभग 4 करोड़ राशि की विकास कार्यों को गति मिल रही है और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। कार्यक्रम में भुनेश्वरी साहू, , पायल साहू,हेमन्त वर्मा, प्रीतम, गजेश्वर, धर्मिन, खुशबू, महेश्वरी ,गुगली,नीतू तारक,यश कुमार, ग्राम विकास समिति फुलझर से अध्यक्ष डिहू राम साहू ,उपाध्यक्ष ईश्वर लाल यादव,कोषाध्यक्ष दिनेश धुव, सचिव रुपेश कुंजाम,ग्राम पटेल तारण सिंह धुव, दुलेसिया यादव ,संतोषी भुजिया, देवकी साहू, भगवा यादव, खिलेश्वरी उपस्थित थे।



खबर संक्षेप

रवेली में धूमधाम से मनाया नवाखाई पर्व



मुड़ागांव (कोरासी)। ग्राम रवेली में ध्रुव गोंड़ समाज द्वारा छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और कृषि जीवन से जुड़े नवाखाई पर्व को सोमवार को उत्साह एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों एवं ग्रामीण परिवारों ने नवाखाई की रस्म निभाते हुए कुल देवी-देवताओं और इष्ट देव बूढ़ादेव की पूजा-अर्चना की तथा नए अन्न का प्रसाद ग्रहण किया।
धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में नवाखाई पर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व नई फसल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने का प्रतीक है। शारदीय नवरात्र के दौरान विभिन्न समाज अपनी-अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार नवाखाई पर्व मनाते हैं। कई समाजों में पंचमी से नवमी तिथि के बीच नवाखाई की रस्म निभाई जाती है। पर्व के अवसर पर ग्रामीण परिवारों ने नई धान की बालियां घर लाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद नए चावल से पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन एवं पकवान तैयार किए गए। परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ बैठकर नए अन्न का सेवन किया और अच्छी फसल, सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। नवाखाई पर्व किसानों की मेहनत, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता का प्रतीक है। धान की रोपाई से लेकर फसल पकने और कटाई तक छत्तीसगढ़ के किसान विभिन्न पर्वों एवं उत्सवों के माध्यम से कृषि जीवन से जुड़े अपने विश्वास और परंपराओं को जीवंत रखते हैं। वर्तमान में खेतों में धान की फसल में बालियां निकलनी शुरू हो गई हैं। ऐसे समय में नवाखाई पर्व किसानों के लिए नई उम्मीद, बेहतर उत्पादन और समृद्धि की कामना का अवसर बनता है। ग्रामीणों ने बताया कि नवाखाई मनाने की परंपरा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है। आज भी इस परंपरा को पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाया जा रहा है।

कनेसर में धूमधाम से मनाया नवाखाई पर्व, देव ठाना में अर्पित किया नवान्न



मुड़ागांव (कोरासी)। ग्राम कनेसर में सोमवार, 19 अक्टूबर को आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज द्वारा नवमी तिथि के अवसर पर नवाखाई का पर्व हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने एकजुट होकर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और आस्था का निर्वहन किया।
नवाखाई पर्व के अवसर पर ध्रुव गोंड़ समाज के सदस्य बड़ी संख्या में देव ठाना में एकत्रित हुए। यहां विधि-विधान से नवान्न अर्पित कर देवी-देवताओं का स्मरण एवं पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात समाज के लोगों ने एक-दूसरे को नवाखाई पर्व की बधाई दी और पारंपरिक रूप से जोहार भेंटकर आपसी भाईचारे, एकता एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। इस अवसर पर ग्राम पटेल हेमराज ध्रुव, पुजारी संत राम ध्रुव, रामचंद्र ध्रुव, गिरवर लाल ध्रुव, कैलाश राम ध्रुव, तेजराम ध्रुव, शिवनारायण ध्रुव, रिखचंद ध्रुव, परदेशी राम ध्रुव सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
फेस लिफ्ट

■ बोटाक्स फिलर
■ थ्रेड लिफ्ट
■ स्किन पॉलिशिंग
■ लेज़र फेशियल
पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

पर्व : जागृति नवयुवक मंडल करेगा रामलीला का मंचन

25 फीट ऊंचे रावण के पुतले का होगा दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व को लेकर ग्राम रसेला में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशेष आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर 25 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहता है। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के शामिल होने की संभावना है।

कार्यक्रम की शुरुआत गांव के सभी देवी-देवताओं को ससम्मान बाजे-गाजे के साथ चंडी में ले जाकर विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना किया जाएगा। इसके पश्चात भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, कुंभकर्ण, मेघनाद और रावण के बीच संवाद का मंचन किया जाएगा। रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम की मर्यादा, धर्म और सत्य की विजय का संदेश दिया जाएगा।

इस पूरे कार्यक्रम में जागृति नवयुवक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। मंडल द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा, जिसके बाद भगवान श्रीराम के हाथों रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। रावण दहन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश जन-जन तक पहुंचेगा। ग्राम रसेला में विजयादशमी के अवसर पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम वर्षों से धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक बना हुआ है। रामलीला के मंचन और रावण दहन को देखने के लिए आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचते हैं। यह आयोजन लोगों को भारतीय संस्कृति और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।



फिंगेश्वर में 24 को मनेगा राजा दशहरा महोत्सव

फिंगेश्वर। फिंगेश्वर अंचल का राजा दशहरा महोत्सव 24 अक्टूबर शनिवार को आयोजित किया गया है। इस दशहरे को देखने लोग अंचल सहित दूर दूर से फिंगेश्वर पहुंचते हैं। राजमहल रोड मे दूकानो की लाइन सजी होती है। खिलौने से लेकर मिठाई दूकाने एवं नाना प्रकार फेंसी सहित विभिन्न दूकाने खुली रहती है। रात्रि कालीन छत्तीसगड़ी नाच पार्टी का आयोजन किया जायेगा जिसे देखने भारी भीड़ जमा होने की संभावना है। 24 अक्टूबर को देवधर पूजा, बालाजी, पंचदेव, मावलीमाता देवी एवं फणीके"वरनाथ मंदिर राज परिवार के द्वारा पूजा अर्चना किया जायेगा। रात्रि में भगवान श्रीराम चंद्र जी सांग देवता एवं राजा निलेन्द्र बहादूर सिंह की विजय एवं शोभा यात्र पश्चात भेंट सुपारी का कार्यक्रम संपन्न होगा। इसी प्रकार 25 अक्टूबर का शरदपूर्णिमा कार्यक्रम बालाजी मंदिर प्रांगण मे संपन्न होगा। राजा दशहरा को लेकर मंदिर ट्रस्ट कमेटी के द्वारा गणमान्य नागरिकों को आमंत्रण का वितरण किया जा रहा है।

मां शीतला देवी और मौली माता के हवन में उमड़ी श्रद्धा, नगर की सुख-समृद्धि के लिए दी आहुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम



नगर में नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर मां शीतला देवी-मौली माता में आयोजित हवन-पूजन में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच नगर पालिका अध्यक्ष ओम कुमारी संजय साहू, मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, एल्डरमेन मुकुंद मेश्राम, गुलाब राव सहित बड़ी संख्या में देवी भक्त शामिल हुए। सभी ने विधि-विधान से हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर माता रानी से नगर की सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति और जनकल्याण की मंगल कामना की। हवन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। हवन की पवित्र अग्नि में आहुति अर्पित करते हुए भक्तों ने माता रानी से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू ने नगरवासियों को नवरात्रि पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मां शीतला देवी- मां मौली माता के प्रति नगरवासियों की अटूट श्रद्धा हमारी धार्मिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। नवरात्रि केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, भक्ति, सदभाव और सकारात्मक संकल्प का संदेश देने वाला अवसर भी है। नगर का प्रत्येक परिवार सुखी और समृद्ध हो, बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बने, युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलें तथा बुजुर्गों का जीवन स्वस्थ और सम्मानपूर्ण रहे। नगर में आपसी सदभाव, शांति और एकता बनी रहे, यही उनकी माता रानी से प्रार्थना है।

ओमकुमारी-संजय साहू ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने और सामूहिक रूप से मंगल कामना करने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य भी करते हैं। उन्होंने सभी नगरवासियों से नवरात्रि पर्व को श्रद्धा, उल्लास और आपसी सदभाव के साथ मनाने की अपील की। मां शीतला देवी-मां मौली माता के चरणों में आस्था निवेदित करते हुए उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने नगर की निरंतर उन्नति, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। पूरे आयोजन में भक्ति, विश्वास और मंगल भावना का वातावरण बना रहा।

अंचल में विराजित दुर्गा माँ



पिपरछेड़ी में विराजित माता जी की भव्य



पिपरहट्टा मे विराजित दुर्गा माँ

सिर्रीकला में वृद्धजन सम्मान समारोह और नवरात्र मिलन, बुजुर्गों के पैर पखारकर लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

ग्राम सिर्रीकला में वृद्धजन सम्मान समारोह नवरात्र मिलन एवं भव्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ दिलीप साहू सभापति जनपद पंचायत फिंगेश्वर, अध्यक्षता कोमन धुरव सरपंच ग्राम पंचायत सिर्रीकला, विशेष अतिथि यादेश्वरी साहू उपसरपंच, रेखराम साहू ग्रामीण अध्यक्ष, मयाराम साहू संरक्षक, मदन लाल साहू अध्यक्ष ग्रामीण साहू समाज, नारायण लाल साहू पूर्व अध्यक्ष साहू समाज, डॉ तुलाराम साहू अध्यक्ष शाला विकास समिति, दीपक राज सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिलाअध्यक्ष पेंटर संघ रहे।

सर्वप्रथम सभी अतिथियों द्वारा कार्यक्रम के प्रथम सोपान में मां दुर्गा के पूजा अर्चना करते हुए 65 वर्ष के अधिक आयु वर्ग के ग्रामीण कुंतराम साहू, केसो राम साहू, मुंगण राम, जगदीश प्रसाद साहू, सीताराम साहू, घासी राम साहू, रूप राम सिन्हा, केजू राम साहू, नारद राम साहू सहित सभी बुजुर्गों को उचित आसन पर बिठाकर उनके पांव को दूध और गंगा जल से पखारा गया तत्पश्चात



उनका तिलक वंदन करते हुए उनसे आशीर्वाद लेकर उन्हे शाल श्री फल एवं गमछा भेंट किया गया। सम्मान पाकर बुजुर्ग अभिभूत हुए और इस आयोजन की भूरी भूरीप्रशंसा किया।

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि डॉ दिलीप साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि बुजुर्गो का सम्मान करने का सौभाग्य मिला है यह बहुत ही गर्व की बात है। समाज में उनका योगदान अनुभव, त्याग व संघर्ष की गाथा से आज के युवाओ को प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें वृद्धजनों का सम्मान हमेशा करना चाहिए। सरपंच कोमन धुरव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि माता पिता का सम्मान से बढ़कर दुनिया में कोई श्रेष्ठ कार्य नहीं है,उन्होंने पुरखा पुरातन को धरती का देवता बताते हुए उनकी सेवा सत्कार कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम को उपसरपंच यादेश्वरी साहू, मदन साहू, नारायण साहू, तुलाराम, आदि ने संबोधित किया। महासमुंद से आए हास्य धुरंधर सुरेंद्र अग्निहोत्री आगी ने अपने चिर परिचित अंदाज में सरकारी योजनाओं में व्यापत कमजोरी को रेखांकित करते हुए मध्यान भोजन आगे, लईका सुखागे, कुकुर मोटा गे, गुरुजी अक बकागे, मध्यान्ह भोजन आगे, सम्मेलन में आमंत्रित ओज कवि डॉ रामशरण चंद्राकर बेमचा महासमुंद, नूतन लाल साहू नवीन राजिम ने अपने काव्य पाठ किया श्रृंगार रस में रानी शुक्ला ने गजब का रचनाएं प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन ओजस्वी कवि संजय कबीर शर्मा ने किया। सभी अतिथियों, कवियों का प्रतीक चिन्ह, शाल एवं गमछा भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक आत्मा राम साहू, भूपेश साहू, दीपक राज, जीतू साहू, चंद्रहास, कृष्णा साहू, धनेश कुमार, शेषनारायण, सोहन साहु, डॉ कृष्णा साहू, रमाकांत, पंचू निषाद, नारायण धुरव, प्रकाश साउंड, मनीष साहू, भागवत साहू, सभी पंचगण आशा राम साहू, टेकेस्वर साहू, बिंदु राम, ईश्वरी धुरव, अहिल्या, प्रमिला यादव, तोरण साहू, मोहन, मेघनाथ साहू, पुनीत दीवान, मुन्ना साहू, होरी साहू, कुमार साहू आदि का सहयोग रहा।

महिलाओं और युवतियों ने गरबा की बढ़ाई रौनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

नगर के हाईस्कूल परिसर में दो दिवसीय गरबा नृत्य कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और भक्तिमय वातावरण में किया गया। 16 एवं 17 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यक्रम में नगर की महिलाओं और युवतियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बच्चों की भी सहभागिता रही। सभी ने पारंपरिक वेशभूषा में सजकर धजकर गरबा नृत्य का आनंद लिया।महिलाओं एवं युवतियों ने अपनी पसंद के आकर्षक परिधान पहनकर उत्सव की रौनक बढ़ाई।विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने स्थानीय सांस्कृति और परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की। रंग–बिरंगे परिधानों और उत्साह से भरे माहौल ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया।रात्रि में माता रानी की पूजा–अर्चना के पश्चात गरबा नृत्य का शुभारंभ हुआ।इसके बाद उपस्थित महिलाओं, युवतियों और बच्चों ने सामूहिक रूप से गरबा खेलकर उत्सव का आनंद उठाया। पूरे परिसर में भक्ति, उत्साह और उल्लास का वातावरण



बना रहा। कार्यक्रम में नगर की महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में शांति कोसरे, संतोशी कोसरे, संध्या हल्दर, संगीता यदु, संध्या यादव, उमा यदु, मधु चंद्राकर, शिवकुमारी साहू, लक्ष्मी साहू, ज्योति राजपूत, भुवनेश्वरी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

गायत्री मंदिर में नवमी तिथि को यज्ञ हवन कर लोगों ने पूर्णाहूति दी

फिंगेश्वर। गायत्री मंदिर फिंगेश्वर में शारदीय नवरात्र पर्व के नवमी तिथि को 5 कुंडीय यज्ञ के लिए हवन पूजन कर पूर्णाहूति भक्तों के द्वारा दी गई। वहीं पर महाआरती में सभी भक्त शमिल होकर पुण्य के भागीदार बने। नवमी पर्व लेकर युग पुराहित ने माता की महिमा बताई। यज्ञ में सभी के कल्याण के लिए, सभी के सुखी एवं निरोगी जीवन हेतु कामना की गई।



कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई।
कार्यक्रम में प्रमुख रूप से युग पुरोहित पंडित परमानंद जी 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ फिंगेश्वर के अध्यक्ष रामू राम साहू कोषाध्यक्ष रोशन देवांगन, एच एल साहू, जगदीश साहू, कन्हैया लाल कंवर, अशोक साहू, अर्जुन सिन्हा, यश सिन्हा, राजू साहू, हेमंत साहू, शिव सोनी, तुलसीराम साहू, विमल चोपड़ा सह परिवार, देवेंद्र सिन्हा, कृष्णा साहू, राजकुमार साहू, कोमल सिन्हा, सिंधु साहू, टोकेश्वरी सिंन्हा, पूर्णिमा यादव, भारती साहू, हेमलता साहू, आशा पोद्दार, अनीता साहू सहित गायत्री परिवार एवं नगर के लोग बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

ध्रुव गोंड समाज ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ की देवी-देवताओं की आराधना

नवाखाई पर्व : नई फसल, प्रकृति और पूर्वजों के प्रति आस्था का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति में नवाखाई पर्व का विशेष धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है। यह पर्व नई फसल के स्वागत, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, देवी-देवताओं की आराधना तथा परिवार और समाज की एकता का प्रतीक है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए ग्राम डांगनबाय, छुरा के ध्रुव गोंड समाज द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ नवाखाई पर्व मनाया जाता है।

पारंपरिक वेशभूषा और जयघोष के साथ आराध्य देवी के दरबार पहुंचे समाजजन नवाखाई पर्व के अवसर पर समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा धारण करते हैं। सफेद धोती, बंगाली वस्त्र, पैजामा, सफेद परिधान, सतरंगी पगड़ी और गमछा धारण कर समाजजन अपनी सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करते हैं। सर्वप्रथम घर में देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है और तिलक लगाकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाते हैं। इसके पश्चात खड़ादेव को साथ लेकर भाला, तलवार, बरछी, बेद तथा पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ समाजजन उत्साहपूर्वक मां शीतला माता के दरबार की ओर प्रस्थान करते हैं। इस दौरान पारंपरिक जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठता है। समाजजन "बड़ादेव की जय, छत्रपति बुढ़ादेव की जय, आदिशक्ति मां शीतला माता की जय" के उद्घोष के साथ अपनी आस्था प्रकट करते हैं।

नवाखाई पर्व का सबसे महत्वपूर्ण और भावनात्मक क्षण तब आता है, जब समाज के सभी लोग साजा वृक्ष के नीचे एक साथ बैठकर नए धान और चिवड़ा का नवाखाई प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह परंपरा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ सामूहिकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देती है।इस अवसर पर छोटे-बड़े सभी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

मां शीतला माता के दरबार में विधि-विधान से पूजा-अर्चना



मां शीतला माता के दरबार में पहुंचकर दूध, दूबी, दही, श्रीफल, ध्वज, नींबू, फूल एवं पत्तों से पूजा-अर्चना और श्रृंगार किया जाता है। समाजजन अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना करते हुए आराध्य देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा अर्पित करते हैं। इसके पश्चात साजा वृक्ष के नीचे सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। नई धान की बालियों को अर्पित कर अच्छी फसल, प्रकृति की कृपा और समाज के कल्याण के लिए प्रार्थना की जाती है।

